Re-Accredited 'B++' 2.86 CGPA by NAAC
VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY
University Campus, Udhna-Magdalla Road, SURAT - 395 007, Gujarat, India.
વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી
યુનિવર્સિટી કેમ્પસ, ઉધના-મગદલ્લા રોડ, સુરત - ૩૯૫ ૦૦૭, ગુજરાત, ભારત.
Tel : +91 - 261 - 2227141 to 2227146, Toll Free : 1800 2333 011, Digital Helpline No.- 0261 2388888
E-mail : info@vnsgu.ac.in, Website : www.vnsgu.ac.in

સંદર્ભ: યુનિવર્સિટી પરિપત્ર ક્રમાંકઃએકે./પરિપત્ર/૭૯૪૦/૨૦૨૧, તા.૧૫/૦૬/૨૦૨૧

–: પરિપત્ર :–

વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયની તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓને જણાવવાનું કે, T.Y.B.A. Sem.- 5 & 6 ના હિન્દી વિષયના અભ્યાસક્રમ સંદર્ભે હિન્દી વિષયની અભ્યાસ સમિતિની તા.૦૭/૦૨/૨૦૨૪ ની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક : ૩ અન્વયે યુનિવર્સિટી પરિપત્ર ક્રમાંક :એકે./પરિપત્ર/૭૯૪૦/ ૨૦૨૧ તા.૧૫/૦૬/૨૦૨૧ થી પરિપત્રિત કરેલ અભ્યાસક્રમ જ શૈક્ષણિક વર્ષ ૨૦૨૪–૨૫ માટે યથાવત રાખેલ છે.જે વિનયન વિદ્યાશાખાના અધ્યક્ષશ્રીએ વિદ્યાશાખાની મંજૂરીની અપેક્ષાએ વિદ્યાશાખાવતી કાર્યકારી ડીનશ્રી અને માનનીય કુલપતિશ્રી દ્વારા મંજૂર કરવામાં આવેલ છે. જેનો અમલ કરવા આથી જાણ કરવામાં આવે છે.

(બિડાણઃ ઉપર મુજબ)

ક્રમાંક : એસ./હિન્દી/પરિપત્ર/૩૫૬૦/૨૦૨૪
તા.૧૪–૦૨–૨૦૨૪

કુલસચિવ

પ્રતિ,
૧) વિનયન વિદ્યાશાખા હેઠળની સંલગ્ન હિન્દી વિષયની તમામ કોલેજોનાં આચાર્યશ્રીઓ.
..... આપશ્રીની કોલેજના સંબંધિત શિક્ષકો/વિદ્યાર્થીઓને જાણ કરી અમલ કરવા સારૂ.
૨) અધ્યક્ષશ્રી, વિનયન વિદ્યાશાખા.
૩)પરીક્ષા નિયામકશ્રી, પરીક્ષા વિભાગ, વીર નર્મદ દ. ગુ. યુનિવર્સિટી, સુરત.
.....તરફ જાણ તેમજ અમલ સારૂ.

परिशिष्ट-2

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर-5

(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-5 हिंदी भाषा-कौशल (अंग्रेजी के स्थान पर) Foundation Course-05

पाठ्यपुस्तक-1. लोपामुद्रा-महेन्द्र मधुकर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय संविधान एवम् व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 महेन्द्र मधुकर का सामान्य परिचय
उपन्यास के तत्व और प्रकार
'लोपामुद्रा' उपन्यास का कथानक
'लोपामुद्रा' : मनुष्य जीवन में भोग और योग दोनों का महत्व

इकाई-2 लोपामुद्रा- एक क्रियाशील और रचनात्मक स्त्री-शक्ति के रूप में
महर्षि अगस्त्य का चरित्र-चित्रण
लोपामुद्रा' में संवाद-योजना।
'लोपामुद्रा" में देश, काल और वातावरण
'लोपामुद्रा" की भाषा-शैली, शीर्षक एवम् उद्देश्य।

इकाई-3 भारत का संविधान
संविधान की परिभाषा और महत्व, संविधान की रचना।
संविधान सभा,भारतीय संविधान का इतिहास
संविधान की प्रस्तावना,संविधान के विशिष्ट तथ्य /विशेषताएँ।

इकाई-4 व्युत्पत्ति एवम् रचना की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण-
रूढ,यौगिक, योगरूढ, विकारी तथा अविकारी।
हिंदी शब्द-भंडार-तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशज।

अंक- विभाजन-

प्रश्न 1. इकाई 3 और 4 से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न(13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ-
1.हिंदी व्याकरण-डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
2.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
3.संक्षेपीकरण-गणेशप्रसाद गुप्त
4.अच्छी हिंदी-रामचंद्र वर्मा
5.प्रयोग और प्रयोग-वी.रा.जगन्नाथन

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
तृतीय वर्ष बी.ए.
हिंदी भाषा-कौशल
सेमेस्टर-6
(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-6 हिंदी भाषा-कौशल (अंग्रेजी के स्थान पर) Foundation Course-06

पाठ्यपुस्तक- 1. भारतदुर्दशा (नाटक)-भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. भारतीय संविधान एवम् व्याकरण।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 नाटक के तत्त्व और प्रकार
'भारतदुर्दशा' नाटक का कथानक
'भारतदुर्दशा' में अभिव्यक्त देश की न्याय-व्यवस्था पर व्यंग्य

इकाई-2 'भारतदुर्दशा' के पात्र- योगी और वैतालिक
'भारतदुर्दशा' में संवाद-योजना, 'भारतदुर्दशा" में देश, काल और वातावरण।
'भारतदुर्दशा' की भाषा-शैली, शीर्षक एवम् उद्देश्य, रंगमंचीयता
और 'भारतदुर्दशा'।

इकाई-3 भारत का संविधान:
संघ और उसका राज्य क्षेत्र, नागरिकता,मूल अधिकार
राज्य के नीति निदेशक तत्त्व, मूल कर्तव्य, संघ की कार्यपालिका, राज्य की कार्यपालिका।

इकाई-4 काल-भेद और प्रयोग।
वाक्य-विचार: वाक्य-भेद, वाक्य-गठन, तथा वाक्य-परिवर्तन,भूल सुधार।

अंक- विभाजन-

प्रश्न 1. इकाई 3 और 4 से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)
प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न(13 x 2 = 26 अंक)
प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1.हिंदी व्याकरण-डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल
2.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
3.अच्छी हिंदी-रामचंद्र वर्मा
4.प्रयोग और प्रयोग-वी.रा.जगन्नाथन
5.आधुनिक नाट्य और नाटक-कुँवरजी अग्रवाल
6.हिंदी नाटक: आज-कल - डॉ.जयदेव तनेजा
7.भारतदुर्दशा-संवेदना और शिल्प-सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
8. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

हिंदी मुख्य

सेमेस्टर-5

(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-11 मध्ययुगीन कविता Core Course-11

पाठ्यपुस्तक- **भ्रमरगीत सार-सूरदास संपादक-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)**
(ससंदर्भ व्याख्या के लिए पद क्रमांक- 21 से 45)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1	सगुण-भक्ति धारा की लाक्षणिकताएँ। सूरदास का साहित्यिक परिचय।
इकाई-2	'भ्रमरगीत' में वर्णित गोपियों का विरह-वर्णन 'भ्रमरगीत' में वर्णित निर्गुण पर सगुण की विजय
इकाई-3	'भ्रमरगीत' की गोपियाँ ,'भ्रमरगीत' का उद्धव,'भ्रमरगीत' की कुब्जा।
इकाई-4	'भ्रमरगीत' में श्रीकृष्ण का उद्धव के प्रति वचन 'भ्रमरगीत' के संवाद, 'भ्रमरगीत' की भाषा।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. पठित पुस्तक से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3. इकाई 2 और 3 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 1 और 4 से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक) और (ब) पठित पुस्तक से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (7×1=07 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1. भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र-प्रेमशंकर
2. भक्तिकाव्य की भूमिका- प्रेमशंकर
3. सूरदास-हरवंसलाल शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. सूर-साहित्य- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. महाकवि सूरदास-नंददुलारे वाजपेयी
6. सूर साहित्य की भूमिका-रामरतन भटनागर-वाचस्पति त्रिपाठी(रामनारायण लाल, इलाहाबाद)
7. सूरदास और उनका साहित्य-स्वामी आनंद कुलश्रेष्ठ
8. सूरदास-व्रजेश्वर वर्मा (नेशनल बुक ट्रस्ट)
9. सूरदास (प्रकाशक-प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण विभाग,भारत सरकार, नई दिल्ली).
10. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
11. हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी

प्रश्नपत्र-12 गद्य-विधाएँ Core Course-12

पाठ्यपुस्तक- **हिंदी गद्य-प्रभाकर-डॉ.हिरण्मय**
(शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 अलबम-श्रीसुदर्शन (कहानी)
गंगा-श्री रामप्रसाद घिल्डियाल पहाड़ी (निबंध)
महात्मा गांधी-श्री सत्यकाम विद्यालंकार (जीवनी)

इकाई-2 बुढापा-श्री पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र (निबंध)
कदम्ब के फूल-सुभद्राकुमारी चौहान (कहानी)
भारत एक है-श्री रामधारीसिंह दिनकर (निबंध)

इकाई-3 महात्मा सुकरात-श्री विश्वंभरनाथ पाण्डेय
जीवन की तीन प्रधान बातें-आचार्य विनोबा भावे (लेख)
ताज़-डॉ.रघुवीर सिंह (निबंध)

इकाई-4 लोकनायक तुलसीदास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी(लेख)
बड़े भाई साहब-प्रेमचंद (कहानी)
जापान में क्या देखा-श्री भदंत आनंद कौशल्यायन

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. पठित पुस्तक से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक)

और (ब) इकाई 3 और 4 से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (7×1=07 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1.हिंदी निबंध-गोविन्दलाल छाबडा
2.हरिशंकर परसाईः व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि-राधेमोहन शर्मा
3.हिंदी का आधुनिक यात्रा-साहित्य-डॉ.प्रतापपाल शर्मा
4.हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग-चेतना-डॉ.आभा भट्ट
5.श्री रामवृक्ष वेनीपुरी-डॉ.रामविलास शर्मा
6.प्रेमचंदः एक विवेचन-डॉ.इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली

+++++

प्रश्नपत्र-13 भारतीय काव्यशास्त्र Core Course-13

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 अ.काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार

आ. काव्य-गुण, काव्य-दोष

इकाई-2 अ.रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय

आ.शब्द-शक्ति का परिचय

इकाई-3 प्रतीक और मिथक: स्वरूप और महत्व

निम्नलिखित काव्यालंकारों के लक्षण और उदाहरण-

शब्दालंकार- श्लेष, यमक, अनुप्रास और वक्रोक्ति।

अर्थालंकार-उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना, मानवीकरण,अन्योक्ति।

इकाई-4 छंद,लय और तुक-परिचय

निम्नलिखित छंदों के लक्षण एवम् उदाहरण-

शाब्दिक छंद-दोहा, रोला, सवैया, छप्पय, धनाक्षरी।

मात्रिक छंद- इंद्रवज्रा, मंदाक्रांता, वसंततिलका, शिखरिणी और शार्दूलविक्रीडित।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. सभी इकाईयों से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×2=14 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1. हिंदी आलोचना की वीसवीं सदी-निर्मला जैन
2. रस-चितन के विविध आयाम-सं.आनंदप्रकाश दीक्षित
3. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना-डॉ.रामचंद्र तिवारी
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
5. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र
6. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
7. भारतीय काव्यशास्त्र-डॉ.अशोक शाह
8. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत-डॉ.मधु वसावा -डॉ.अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)

+++++

प्रश्नपत्र-14 प्रादेशिक साहित्य एवम् संस्कृति Core Course-14

पाठ्यपुस्तक- **तत्त्वमसि -ध्रुव भट्ट (प्रकाशक-गुर्जर ग्रंथरत्न कार्यालय,अहमदाबाद)**

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 ध्रुव भट्ट का साहित्यिक परिचय

'तत्त्वमसि' का कथानक-मूल्यांकन

'तत्त्वमसि' में चित्रित भारतीय जीवन-मूल्य।

इकाई-2 'तत्त्वमसि' में वर्णित आदिवासी समाज,'तत्त्वमसि' का नायक

'तत्त्वमसि' की पात्र-सृष्टि- करन, सुप्रिया, ल्युंसी,बितबंगा,गंडुफकीर आदि ।

इकाई-3 'तत्त्वमसि' उपन्यास की संवाद-योजना

'तत्त्वमसि' उपन्यास का आरंभ और अंत।

'तत्त्वमसि' में अभिव्यक्त चिंतन।

'तत्त्वमसि' की वर्णन-शैली,'तत्त्वमसि' का उद्देश्य।

'तत्त्वमसि': शीर्षक की सार्थकता

इकाई-4 गुजरात के पर्व और त्योहार- नवरात्रि, जनमाष्ट्मी, मकर संक्रांति, होली, डांगी दरबार, तरणेतर का मेला, माधवराय मेला, भावनाथ मेला-का परिचय

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. पठित पुस्तक से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 4 से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक) और (ब) पठित उपन्यास से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (7×1=07 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1.कथायोग-नरेश वैद्य

2.उद्देश (पत्रिका) डॉ.प्रफुल्ल देसाई,अंक-सितम्बर,2003

3 अर्वाचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास-प्रसाद ब्रह्मभट्ट

++++++++++++++++

प्रश्नपत्र-15 हिंदी भाषा और लिपि Core Course-15

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1
1.वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत एवम् अपभ्रंश का सामान्य परिचय।
2.आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय
3.हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
4.हिंदी की उपभाषाएँ एवम् बोलियाँ।

इकाई-2
1. प्रशासन-व्यवस्था और भाषा
2. भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता
3. राजभाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति

इकाई-3.
1. हिंदी कम्प्यूटीकरण
2. भूमंडलीकरण के परिपेक्ष्य में हिदी का भविष्य।

इकाई-4.
राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान-
अ. राजभाषा-प्रावधान (अनुच्छेद ३४३ से ३५१),
आ. राष्ट्रपति के आदेश (१९५२, १९५५, १९६०)
इ. राजभाषा अधिनियम १९६३ (यथा संशोधित १९६७)
ई. राजभाषा संकल्प (१९६८) यथानुमोदित (१९९१)
उ. राजभाषा नियम १९७६

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. सभी इकाईयों से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)
प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×2=14 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1.हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी
2.हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-उदयनारायण तिवारी
3.राजभाषा हिंदीःप्रगति और प्रयाण-सं.इकबाल अहमद
4.मानक हिंदी व्याकरण-पृथ्वीनाथ पांडेय
5.प्रयोजनपरक हिंदी-सूर्यप्रसाद दीक्षित-योगेन्द्र प्रताप सिंह
6.राजभाषा हिंदी-कैलाशचंद्र भाटिया
7.राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया
8.हिंदी भाषा और भाषा-विज्ञान-डॉ.अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)
9.सरल भाषा-विज्ञान-डॉ.अशोक शाह (वर्तिका प्रकाशन, नई दिल्ली)

+++++

प्रश्नपत्र-16 प्रयोजनमूलक हिंदी-1 Core Course-16

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 प्रयोजनमूलक हिंदीः अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाएँ।

इकाई-2 प्रयोजनमूलक हिंदी और पारिभाषिक शब्दावली
प्रशासनिक हिंदी और उसकी शब्दावली
प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार
कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग-कम्प्यूटर, लैपटॉप,टैबलेट,टेली प्रिंटर,टेलेक्स, वीडियो कान्फ्रेसिंग।

इकाई-3 संक्षेपण और टिप्पण।
शिक्षण माध्यम-भाषा, संचार भाषा,सर्जनात्मक भाषा।

इकाई-4 **अ.प्रशासनिक पदनाम-**

Accountant, Advisor, Administrator, Announcer, Calculator, Chancellor, Clerk, Collector, Copyist, Editor, Enquiry Clerk, Gate Keeper, Guide, Hostess, In Charge, Inspector, Instructor, Justice, Medical Officer, Peon, Registrar, Surveyor, Translator, Typist,Worker.

ब.अनुभागों के नाम-

Department Agriculture, Department Co -Operation, Department Community Development, Department Communications, Department Company Law & Insurance, Department Cottage Industries, Department Economic Affairs, Department Family Planning, Department Food, Department Iron & Steel, Department Labour and Employment, Department Light House, Department Legal Affairs, Department Meteorological, Department Port, Department Post & Telegraphs, Department Parliamentary Affairs, Department Printing & Stationery, Department Petroleum, Department Revenue, Department Sales Tax, Department statistics, Department Social Welfare, Department Tourism, Department Transport & Shipping.

अंक-विभाजन- प्रश्न-1. इकाई 1,2 और 3 से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)
प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 3 से (अ) एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक) और (ब) इकाई 4 से पदनाम-अनुभागों पर आधारित प्रश्न (1×7=07 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1. प्रयोजनमूलक हिंदीः संरचना एवम् अनुप्रयोग-दिनेश गुप्त
2. प्रयोजनमूलक हिंदी-दिनेश गुप्त
3. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिदी-दिनेश गुप्त
4. व्यावसायिक संप्रेषण-डॉ.अनूपचंद्र भायाणी
5. प्रयोजनमूलक हिंदीः पारिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण प्रारूपण-डॉ.मधु धवन
6. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण-प्रो.विराज
7. शुद्ध हिंदी-डॉ.विजयपाल सिंह
8. प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी-डॉ.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेशकुमार
9. राजभाषा हिंदी और राजकीय पत्र-व्यवहार-घनश्याम अग्रवाल
10. हिंदी भाषा और भाषा-विज्ञान-डॉ.अशोक शाह

****

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
तृतीय वर्ष बी.ए.
हिंदी मुख्य
सेमेस्टर-6
(2021-2022, 2022-2023, 2023-2024 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-17 रीतिकालीन कविता- Core Course-17

1. बिहारी सतसई (ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहा क्रमांक-1 से 30)

पाठ्यपुस्तक- **बिहारी सतसई सार**-संपा.अम्बिकाचरण शर्मा-विश्वम्भर 'अरुण'

(प्रकाशक-रंजन प्रकाशन, बांके विलास, सिटी स्टेशन मार्ग, आगरा-3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1	1.रीतिकालः नामकरण और समय-सीमा और प्रमुख विशेषताएँ। 2. रीतिसिद्ध काव्य-धारा की प्रमुख विशेषताएँ। 3.बिहारी का साहित्यिक परिचय।
इकाई-2	4.हिंदी सतसई परंपरा और उसमें 'विहारी सतसई' का स्थान। 5.बिहारी : एक सफल मुक्तककार। 6.'बिहारी सतसई' में विरह-वर्णन।
इकाई-3	7. 'बिहारी सतसई' में नीति 8. बिहारी की बहुज्ञता 9. 'बिहारी सतसई' में प्रकृति-चित्रण।
इकाई-4	10.बिहारी की भाषा-शैली। 11. बिहारी की भक्ति-भावना।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1.पठित पुस्तक से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3.इकाई 2 और 3 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 1 और 4 से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक) और (ब) पठित पुस्तक से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न-(एक विकल्प में दो दोहे पूछने होंगे) (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1.हिंदी साहित्य का इतिहास. डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3.हिंदी साहित्य का अतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र
4.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
5.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
6.रीतिकालीन साहित्य कोश-विजयपाल सिह
7.बिहारी:एक मूल्यांकन-डॉ.हरिचरण शर्मा
8.बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथदास रत्नाकर

प्रश्नपत्र-18 हिंदी उपन्यास Core Course-18

पाठ्यपुस्तक – तेभ्यः स्वधा-नीरजा माधव (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1	नीरजा माधव का सामान्य परिचय उपन्यासः शब्द, परिभाषा, तत्त्व और विशेषताएँ 'तेभ्यः स्वधा' का कथानक-मूल्यांकन 'तेभ्यः स्वधा': विस्थापन की त्रासदी की कथा।
इकाई-2	'तेभ्यः स्वधा' में विभाजन के समय मारे गए हिन्दुओं के पिंडदान और तर्पण की कथा 'तेभ्यः स्वधा' की मीना से अमीना
इकाई-3	'तेभ्यः स्वधा' के गौण पात्र 'तेभ्यः स्वधा' में संवाद एवम् वातावरण-योजना।
इकाई-4	'तेभ्यः स्वधा' की भाषा-शैली,'तेभ्यः स्वधा' का उद्देश्य। 'तेभ्यः स्वधा': शीर्षक की सार्थकता।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. पठित पुस्तक से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक)

और (ब) पठित उपन्यास से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (7×1=07 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1.हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
2.समकालीन हिंदी साहित्यःविविध विमर्श-प्रो.श्रीराम शर्मा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
3.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास-सामाजिक विघटन और औपन्यासिक प्रतिफल-डॉ.मंजुल गोयल
4.हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा-रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

+++++

प्रश्नपत्र-19 पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत Core Course-19

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 1. साहित्यः परिभाषा, साहित्य और समाज

2. कविताः परिभाषा, कविता-तत्व, कविताः प्रकार (प्रबंध और प्रगीत)

इकाई-2 3.समालोचनाः स्वरूप, समालोचनाः प्रकार, आलोचक के गुण

4. उपन्यासः परिभाषा. तत्त्व और प्रकार।

5. नाटकः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।

इकाई-3 6.कहानीः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।

7.निबंधः परिभाषा, तत्त्व और प्रकार।

इकाई-4 8. प्रमुख हिंदी आलोचकः परिचयात्मक अध्ययन एवम् योगदान-

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल 2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

3. डॉ.नंददुलारे वाजपेयी 4. डॉ.रामविलास शर्मा।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1.सभी इकाईयों से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3..इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 3 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×2=14 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-सं.निर्मला जैन

२. हिंदी आलोचना की वीसवीं सदी-निर्मला जैन

३. रस-चितन के विविध आयाम-सं.आनंदप्रकाश दीक्षित

४. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना-डॉ.रामचंद्र तिवारी

५. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र

६. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र

७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र

८. साहित्य के प्रमुख पक्ष-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी

९. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

१०.मार्क्सवादी,समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना-डॉ.शशिभूषण पांडेय

११.शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा-प्रणाली- पी.वासवदत्ता

१२.पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत-डॉ.मधु वसावा-डॉ.अशोक शाह (अमर प्रकाशन, मथुरा)

१३.भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.विजयपाल सिंह

+++++

प्रश्नपत्र-20 प्रादेशिक साहित्य एवम् भारतीय संविधान Core Course-20

मदनमोहना-शामळ संपादक-अनंतराय रावळ (गुर्जर ग्रंथरत्न कार्यालय, अहमदाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 शामळ भट्ट का साहित्यिक परिचय
गुजराती पद्य वार्ता काव्य का स्वरूप और विशेषताएँ
'मदनमोहना' का कथानक:मूल्यांकन।

इकाई-2 'मदनमोहना' एक पद्य वार्ता के रूप में
'मदनमोहना' के पुरुष पात्र, 'मदनमोहना' के स्त्री पात्र।

इकाई-3 'मदनमोहना' में अभिव्यक्त रस
'मदनमोहना' मे गौण-कथाओं का महत्व
'मदनमोहना' में चित्रित समाज,'मदनमोहना' का नायक।
'मदनमोहना' की संवाद-योजना,'मदनमोहना' शीर्षक की सार्थकता।

इकाई-4 भारत का संविधान,राज्य की कार्यपालिका का गठन।
पाँचवी अनुसूची - [अनुच्छेद 244(1)] - अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जन-जातियों के प्रशासन और नियंत्रण से संबंधित उपबंध।
आठवीं अनुसूची-भाषा-संबंधी उपबंध।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. पठित पुस्तक से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 4 से (अ) एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×1=07 अंक) और (ब) पठित काव्य से ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (7×1=07 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1.पद्य वार्ता-डॉ.हसु याज्ञिक
2.गुजराती साहित्यनो मध्यकाळ-अनंतराय रावळ
3.पद्यवार्ताकार शामळ-डॉ.प्रसाद ब्रह्मभट्ट
4.मध्यकालीन गुजराती ज्ञानमार्गी कविता-डॉ.वळवंत जानी
5.गुजराती साहित्य कोश (मध्यकाळ)-गुजराती साहित्य परिषद प्रकाशन
6.गुजराती साहित्यनो इतिहास भाग-1-2 गुजराती साहित्य परिषद प्रकाशन
7.शामळ-डॉ.भरतकुमार ठाकर , आदर्श प्रकाशन, अहमदाबाद
8.पद्यवार्ता-सुमन शाह
9. https://www.india.gov.in/hi/my-government/constitution-india/constitution-india-full-text

+++++

प्रश्नपत्र-21 हिंदी व्याकरण Core Course-21

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1
1. वर्ण-विचारः 1.वर्णमाला, वर्णों का उच्चारण एवम् वर्गीकरण,
2. उत्पत्ति,जाति एवम् उच्चारण के अनुसार स्वरों के भेदः मूल और संधि,
3. व्यंजन-स्पर्श व्यंजन, बाह्य प्रयत्न के अनुसार भेद।
4. शब्द की परिभाषा एवम् शब्दों का वर्गीकरण

इकाई-2
1. संज्ञाः परिभाषा एवम् भेद
2. सर्वनाम : परिभाषा एवम् भेद
3. विशेषण की परिभाषा एवम् प्रकार

इकाई-3
1. क्रिया की परिभाषा एवम् प्रकार
2. कारक का परिचय।
3. क्रिया के काल –परिचय एवम् प्रकार।

इकाई-4
1. लिंग एवम् वचन का परिचय।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. सभी इकाईयों से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)
प्रश्न-2 और 3. इकाई 2 और 3 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
प्रश्न-4. इकाई 1 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×2=14 अंक)

सहायक ग्रंथ-

१.हिंदी व्याकरण-पं.कामताप्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
२.हिंदी व्याकरण मीमांसा-काशीराम शर्मा
3. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण-डॉ.हरदेव बाहरी,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4.हिंदी रूप-रचना भाग-1-2- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

+++++

प्रश्नपत्र-22 प्रयोजनमूलक हिंदी-2 Core Course-22

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1 हिंदी का वैज्ञानिक एवम् तकनीकी रूप।
हिंदी के संवर्धन में प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका।
प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ या गुण।

इकाई-2 अनुवाद की अवधारणा, उसका महत्व और विभिन्न सिद्धांत।
अनुवादक का महत्व और सफल अनुवादक के लक्षण।
हिंदी में अनुवाद का भविष्य।
हिंदी की प्रमुख कृतियों के विश्वभाषाओं में किए गए अनुवाद।
भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केन्द्र।

इकाई-3 हिंदी में मीडिया लेखन
जनसंचार-माध्यमः अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार
जनसंचार-माध्यमों के प्रकार।

इकाई-4 समाचार-लेखन और हिंदी
संवाद-लेखन और हिंदी
रेडियो-लेखन और हिंदी
विज्ञापन-लेखन।

अंक-विभाजन-

प्रश्न-1. सभी इकाईयों से पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न-2 और 3. इकाई 2 और 3 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

प्रश्न-4. इकाई 1 और 4 से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (7×2=14 अंक)

सहायक ग्रंथ-

1. अनुवाद-बोध - डॉ.गार्गी गुप्त
2. अनुवाद-विज्ञान- डॉ.भोलानाथ तिवारी
3. जनसंचारःविविध आयाम- ब्रजमोहन गुप्त
4. मीडिया और साहित्य- सुधीश पचौरी
5. व्यावहारिक अनुवाद- डॉ.एन.ई.विश्वनाथ ऐयर
6. प्रयोजनपरक हिंदी- प्रो.सूर्यप्रसाद दीक्षित एवम् डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह
7. प्रयोजनमूलक हिंदीः विविध आयाम- माया सिंह
8. प्रयोजन मूलक हिंदी का अध्ययन- डॉ.सुशीला गुप्ता

+++++